तर्ज--अब क्या मिसाल दूं मैं

अब क्या करूं बयान मैं सूरत सुभान की
शब्दों में कैसे लाऊं पिया शोभा आपकी

1--सुंदर सरूप आपका सागर है नूर का
दिल इश्क से भरा हुआ मेरे हजूर का
गालों पे है लाली , लाली गुलाब की

2--देखूं जो तेरे नैनो मे तो ये नैन न रहें
झुक जाये रुह चरण मे तो फिर न वो उठे
कैसे कहूं मैं खूबी , खूबी खुसाल की

3-सुख रसना के मैं क्या कहूं देते जो करके प्यार
ऐ जाने रूह अर्श की जो लेते बेशुमार
कायम है मस्ती , मस्ती नूर जमाल की

Nijanand App